मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 231, मुंबई, मंगलवार, 2 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

पत्नी पर आरोप से तिलमिलाए फडणवीस ने कहा- नवाब मलिक के अंडरवर्ल्ड से रिश्ते

दिवाली बाद बम फोड़ूंगा

मुंबई। मुंबई आर्यन ड्रग केस अब अंडरवर्ल्ड कनेक्शन तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और ठउढ नेता नवाब मलिक ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व उट देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता के साथ जयदीप चंदूलाल राणा नाम के शख्स की तस्वीर शेयर की। मलिक ने दावा किया देवेंद्र फडणवीस की पत्नी का म्यूजिक वीडियो ड्रग पैडलर राणा ने फाइनेंस किया था। उन्होंने कहा कि फडणवीस के संरक्षण में ड्रग का धंधा चल रहा था। इसके जवाब में देवेंद्र फडणवीस भी मीडिया के सामने आए। उन्होंने मलिक के आरोपों को हास्यास्पद बताया। फडणवीस ने कहा, 'मलिक मुझ पर हमला नहीं कर सकते, इसलिए वह मेरी पत्नी पर हमला कर रहे हैं और हम इसके लिए तैयार हैं। दिवाली हो जाने दीजिए, बम हम फोड़ेंगे। मैं दीपावली के बाद नवाब मलिक के अंडरवर्ल्ड से संबंधों के सबूत आपको भी दूंगा और एनसीपी चीफ शरद पवार को भी दूंगा।' (शेष पृष्ठ 3 पर)

दिलशाद खान हुए इंडिया फेम अवार्ड टॉप पच्चीस में चयनित प्रशंसकों व समर्थकों में खुशी की लहर

मुंबई। छात्र जीवन में हमने भी और आपने भी किताबों में पढ़ा है। अक्सर शिक्षकों द्वारा छात्र जीवन में छात्र, छात्राओं को पढ़ाया जाता है। इन्सान जन्म से नही कर्म से महान होता है। यह सच साबित कर दिखाया है। समाज सुधारक, वरिष्ठ समाज सेवी, राष्ट्रीय समाचार पत्र दैनिक मुम्बई हलचल के सम्पादक श्री दिलशाद खान जी ने जोकि समाज में अपने द्वारा किये गए अच्छे कर्मों की वजह से जाने पहचाने जाते हैं दिलशाद खान एक प्रसिद्ध सम्मानित व्यक्ति होने के बाद भी गुरुर, घमण्ड, से कोसों दूर हैं। दिलशाद खान कहते हैं इन्सान के लिए अपने जीवन में सादा जीवन उच्च विचार अपनाने चाहिए। इसी से इन्सान महान बनता है और प्रत्येक व्यक्ति के लिए ईश्वर द्वारा बताये सत्य के रास्ते पर चलना चाहिय। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सैम डिसूजा का दावा- आर्यन को छोड़ने के लिए गोसावी और प्रभाकर ने शाहरुख के स्टाफ से लिए थे 50 लाख रु.

मुंबई। क्रूज ड्रग्स केस में सोमवार को फिर एक नया ट्विस्ट आ गया। इस केस में गवाह रहे सैम डिसूजा कई दिनों बाद अचानक ABP न्यूज चैनल के सामने आया और उसने यह दावा किया कि आर्यन मामले में शाहरुख खान के स्टाफ और गवाह बने कुछ लोगों के बीच डील हुई थी। सैम ने बताया कि इस डील में किरण गोसावी और प्रभाकर सइल का हाथ था। दोनों ने शाहरुख की मैनेजर पूजा ददलानी से 50 लाख रुपए टोकन मनी के तौर पर लिया था। गोसावी के बॉडीगार्ड प्रभाकर ने कही थी 25 करोड़ रुपए की बात इससे पहले प्रभाकर सइल ने दावा किया था कि उसने केपी गोसावी और सैम डिसूजा को आर्यन खान केस के मामले में 25 करोड़ रुपए की डील पर बात करते सुना था। प्रभाकर का दावा था कि गोसावी और सैम ने कथित तौर पर 8 करोड़ रुपए NCB अधिकारी समीर वानखेड़े को देने की बात कही थी। इसी आरोप पर सैम ने सफाई दी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

वसूली कांड में फंसे सचिन वझे 6 नवंबर तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में विशेष अदालत ने दिया ये फैसला

मुंबई। मुंबई पुलिस के बर्खास्त अधिकारी सचिन वझे क्राइम ब्रांच की कस्टडी में पहुंच गए हैं। क्राइम ब्रांच ने तलोजा जेल में बंद इस पदाधिकारी से पूछताछ के लिए विशेष अदालत से मंजूरी मांगी थी। कोर्ट की मंजूरी के बाद वझे को क्राइम ब्रांच ने अपनी हिरासत में ले लिया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है कि वझे से अब वसूली मामले में अब क्राइम ब्रांच की टीम पूछताछ करेगी। सचिन वझे से क्राइम ब्रांच कर्मियों के बारे में पूछताछ के लिए रिमांड मांगी गई थी। इसके लिए सोमवार को उन्हें एस्प्लेनेड अदालत में ले जाया गया। विशेष अदालत ने पिछले सप्ताह मुंबई पुलिस को पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में लेने की अनुमति दी थी। वसूली मामले में मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह भी आरोपी हैं। इसलिए, इस कस्टडी को काफी गंभीरता से देखा जा रहा है। सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वझे को इस साल मार्च में उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास के पास से एक एसयूवी की बरामदगी और ठाणे के व्यवसायी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में गिरफ्तारी के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। मुकेश अंबानी के आवास के पास एसयूवी से विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। गोरेगांव में वसूली का मामला दर्ज किया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

BJP MP मनोज कोटक का मलिक पर हमला, बोले एनसीपी के नहीं नारकोटिक्स कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता हैं!

महाराष्ट्र बीजेपी के सांसद मनोज कोटक ने नवाब मलिक पर हमला बोला है। उन्होंने नवाब मलिक को नारकोटिक्स कांग्रेस पार्टी का प्रवक्ता बताया है। उन्होंने कहा कि नवाब मलिक का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। इसलिए वह रोजाना एक नई तस्वीर के साथ सामने आते हैं और उटपटांग बातें करते हैं। नवाब मलिक के चरित्र हनन से कुछ भी सिद्ध होने वाला नहीं है। देवेंद्र फडणवीस के 5 साल के कार्यकाल के दौरान उन पर एक भी दाग नहीं लगा है। देवेंद्र फडणवीस जरूर इस लड़ाई का अंत जल्द ही करेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

फिर डेंगू का डंक

कोरोना के मामले जहां कम होने लगे हैं, वहीं डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी चिंता और दुख की बात है। राष्ट्रीय राजधानी समेत देश के अनेक राज्यों में डेंगू के मामलों ने स्वास्थ्य एजेंसियों को परेशान करना शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में इस साल डेंगू के 1,000 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें पिछले सप्ताह 280 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे। दिल्ली सरकार ने अस्पतालों को निर्देश दिया है कि कोरोना के लिए आरक्षित बिस्तरों में से एक तिहाई बिस्तर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मरीजों के लिए आरक्षित कर दिया जाए। दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब और बिहार में भी डेंगू से चिंता बढ़ी है। कुछ जगहों से रिकॉर्ड मामले आ रहे हैं। यह बात सर्वज्ञात है कि डेंगू मच्छर जनित बीमारी है, जो एडीज मच्छरों के काटने के कारण होती है। डेंगू से संक्रमित ज्यादातर लोगों में हल्के या कोई लक्षण नहीं होते हैं। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, डेंगू से संक्रमित 75 प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखता है, जबकि 20 प्रतिशत में हल्के लक्षण होते हैं और पांच प्रतिशत में गंभीर लक्षण विकसित हो सकते हैं, जो जानलेवा भी हो सकते हैं। अतः सावधानी व समय पर इलाज जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि इधर एक सप्ताह में कुछ डॉक्टरों की भी डेंगू से मौत हुई है। इस वर्ष डेंगू के मामलों का बढ़ना विवश कर रहा है कि इसके कारणों पर फिर से निगाह डाली जाए। मलेरिया के मामलों में हाल के वर्षों में भारी गिरावट हुई है। साल 2000 से 2019 के बीच मलेरिया के मामलों में 71.8 फीसदी, जबकि मौतों में 73.9 फीसदी की गिरावट आई है। शायद हमारे प्रयासों में कमी है, तभी हम ऐसी बीमारियों को भी पूरी तरह से काबू नहीं कर पा रहे हैं। पंजाब जैसे संपन्न और साफ-सुथरे समझे जाने वाले राज्य में इस साल डेंगू से करीब 30 लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र भी विकसित है और दिल्ली भी अपेक्षाकृत विकसित है, लेकिन ऐसे राज्यों में अगर मच्छरों का आतंक कम नहीं हो रहा है, तो अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों की क्या स्थिति होगी, सहज अनुमान लगाया जा सकता है। डेंगू के साथ-साथ मलेरिया और चिकनगुनिया ने भी अगर सिर उठाया है, तो इसका मतलब है, मच्छरों के प्रति हम लापरवाह हुए हैं। अब समय आ गया है, जब भारत के शहरों और रिहाइशी इलाकों को मच्छर-मुक्त बनाने के तमाम उपाय किए जाएं। नए स्वच्छता अभियान को मच्छर-मुक्त शहर-गांव बनाने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए। शहरों को हरा-भरा और साफ-सुथरा करने के लिए सरकारों की ओर से बहुत धन खर्च किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी बनाने की कोशिशें चल रही हैं, लेकिन क्या हमारा कोई ऐसा शहर है, जहां कूड़े के पहाड़ न हों या जहां खुली नालियां न बहती हों? राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को ही अगर देख लिया जाए, तो समझ में आ जाता है कि हम वास्तविक रूप से साफ-सफाई के लिए अभी आधे भी सजग नहीं हुए हैं। व्यक्तिगत स्तर परजहां आम लोग जागरूक हैं, वहां तो गंदगी और मच्छरों से थोड़ी मुक्ति की स्थितियां बनी हैं, लेकिन ज्यादातर जगह आम लोग सफाई को अपना नहीं, किसी और का काम समझते हैं। जब हम सफाई रखने को अपना मूलभूत काम समझने लगेंगे, तो डेंगू ही नहीं, दस से ज्यादा बीमारियों को हमेशा के लिए अलविदा कह देंगे।

तरक्की की छलांग को तैयार देश

आर्थिक गतिविधियों पर नजर रखने वाली दुनिया की दिग्गज समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग का कहना है कि पिछले महीने की त्योहारी खरीदारी से ही उसे दिख रहा है कि भारत अब दुनिया में सबसे तेज रफ्तार विकास की तरफ बढ़ रहा है।

अंधकार पर विजय का त्योहार है दीपावली। अंधकार के भी कई प्रकार होते हैं। दीपावली से जुड़ी तमाम कथाओं, किंवदंतियों में आपको उनके दर्शन भी होते हैं और आभास भी। लेकिन इस वक्त दीपावली या दिवाली का इंतजार सबसे ज्यादा इस उम्मीद के साथ हो रहा है कि यह त्योहार हमारी जिंदगी में छाई मायूसी, बेबसी व निराशा को खत्म करेगा और अर्थव्यवस्था पर छाए मंदी के बादलों को छांटने की राह आसान करेगा।

लक्ष्मी पूजन के पर्व दिवाली और उससे ठीक पहले खरीदारी का शगुन पूरा करने वाला त्योहार धनतेरस वर्षों से देश के व्यापार व उद्योगों के लिए बड़ी उम्मीदों और खुशहाली का वक्त रहा है। सो, दिवाली के जश्न का असली ट्रेलर तो धनतेरस पर ही दिखेगा। लेकिन इससे पहले गणेशोत्सव और नवरात्र पर इस बार ऐसे संकेत साफ दिख चुके हैं कि बाजार में खरीदारी का माहौल बन रहा है। एक नहीं, अनेक तरफ से इस बात के संकेत दिखने लगे हैं कि इस बार दिवाली और उसके बाद नए साल तक चलने वाला पूरा त्योहारी मौसम वाकई जश्न मनाने का वक्त होने जा रहा है। यह जश्न सिर्फ खरीदारी और घर की सजावट तक सीमित नहीं है। दुनिया भर के बड़े-बड़े अर्थशास्त्रियों और एजेंसियों की नजर इसी पर टिकी हुई है कि भारत में त्योहारी मौसम इस बार कैसा रहता है। वजह यह है कि भारत अब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और अगर यह मंदी की मार से निकलकर तेज रफ्तार से दौड़ने लगता है, तो बाकी दुनिया के लिए भी आगे की राह काफी आसान हो जाएगी।

आर्थिक गतिविधियों पर नजर रखने वाली दुनिया की दिग्गज समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग का कहना है कि पिछले महीने की त्योहारी खरीदारी से ही उसे दिख रहा है कि भारत अब दुनिया में सबसे तेज रफ्तार विकास की तरफ बढ़ रहा है। दरअसल, यह त्योहारी खरीदारी ही भारतीय अर्थव्यवस्था को वह दम दे रही है कि वह इतनी तेज रफ्तार से तरक्की कर सके। ब्लूमबर्ग एक ट्रैकर चलाती है, जिसमें वह आठ पैमानों पर लगातार अर्थव्यवस्था की नब्ज टटोलती रहती है। इनमें कहीं अच्छी और कहीं चिंताजनक तस्वीर दिखने के बावजूद एक से सात के पैमाने पर भारत की सुई लगातार तीसरे महीने पांच पर टिकी हुई है। इस पैमाने को वह 'एनिमल स्पिरिट डायल' कहती है, यानी यहां से आगे बढ़ने की इच्छा और क्षमता का पैमाना। साफ है, देश तरक्की की छलांग के लिए तैयार हो रहा है।

यह कहने का आधार मिलता है विनिर्माण और सेवा, दोनों ही तरह के कारोबारों में नए ऑर्डरों के साथ बढ़े उत्साह से। देश से निर्यात में पिछले साल के मुकाबले 23 फीसदी का उछाल और पिछले महीने के मुकाबले 1.6 प्रतिशत की बढ़त है। आयात में भी अच्छी बढ़त है। लेकिन उसकी सबसे बड़ी वजह है, सोने की खरीदारी में जबर्दस्त उछाल। पिछले सितंबर के मुकाबले सोने के आयात में इस बार 254 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई से सितंबर के बीच भारत ने 139 टन सोना आयात किया है। यह 2019 में आए 124 टन से भी ज्यादा है और पिछले साल के मुकाबले तो पूरा 47 प्रतिशत ऊपर है। आम तौर पर माना जाता है कि सोना संकट की करेंसी है, यानी सोना ज्यादा बिकने का मतलब यह होना चाहिए कि लोगों के मन में भविष्य को लेकर आशंकाएं हैं। लेकिन इस बार की बिक्री का मतलब यह हो नहीं सकता। वजह सामने है। शेयर बाजार भी लगातार कुलांचे भर रहा है। अगर माहौल में आशंकाएं होतीं, तो वे शेयर बाजार में भी दिखाई पड़तीं।

सोने की बिक्री बढ़ने का एक और अर्थ भी मानना चाहिए। कोई भी इंसान अपनी बुनियादी जरूरतों को छोड़कर या पेट काटकर सोना-चांदी नहीं खरीदेगा। इसलिए सोने की मांग बढ़ने का अर्थ यह भी मानना चाहिए कि अब लोगों के हाथ में बचत लायक कुछ रकम है। काफी समय से टल रहे मंगल-कार्य भी अब होने लगे हैं, इसलिए भी आभूषणों की मांग बढ़ रही है।

खास बात यह है कि अभी तक जो बिक्री बढ़ी है, उसमें सरकारी या निजी नौकरियों में लगे लोगों या दूसरे कारोबारियों और किसानों ने अपने पास से खर्च किया है। न तो हाल में सरकार ने जनता की जेब में पैसे डालने वाली कोई स्कीम खोली है और न ही सरकारी कर्मचारियों के लिए। लेकिन अब सब तरफ खबर गरम है कि दिवाली के पहले ही बोनस की रकम खातों में आ जाएगी। प्राइवेट कंपनियों में भी यही बोनस का समय है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और भारत का रिजर्व बैंक इस बात पर एकमत हैं कि चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 9.5 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। लेकिन अनेक जानकारों का मानना है कि अर्थव्यवस्था जिस तरह से रफ्तार पकड़ रही है, वह इससे कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ सकती है। लेकिन इस बड़े मामले से अलग कुछ छोटी-छोटी चीजों पर भी ध्यान देना चाहिए। आवास ऋण 20 साल में सबसे कम ब्याज पर मिल रहे हैं। इसका असर घरों की बिक्री में दिखने लगा है।

मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स के बाजार में भीड़ तो खूब है, लेकिन लोग सस्ती चीजें ढूंढ़ रहे हैं। वजह भी साफ है। जहां पहले पूरे घर में एक-दो मोबाइल से काम चल जाता था, अब हरेक के हाथ में कम से कम एक मोबाइल तो मजबूरी बन चुका है। उधर कारों की बिक्री में कुछ दबाव की खबरें जरूर हैं, लेकिन उसकी वजह मांग नहीं, आपूर्ति की कमी है। दुनिया भर में माइक्रो चिप की कमी का यह असर होना ही था। लेकिन इसका दूसरा असर यह है कि कारों पर छह से बारह महीने तक की वेटिंग चल रही है, और हर साल दिवाली के वक्त मिलने वाले डिस्काउंट और ऑफर भी इस बार गायब हैं।

समझदारी तो इसी में है कि अगर कार खरीदना बहुत जरूरी न हो, तो उस फैसले को कुछ समय के लिए टाल दिया जाए। और बाकी खरीदारी अपने आसपास के दुकानदारों से ही न करें, बल्कि उनका बनाया सामान भी खरीदें, अगर आप चाहते हैं कि आपके आसपास सभी की दिवाली मंगलमय हो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

नवी मुंबई के जुहू गांव में 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ किया गया दुष्कर्म

संवाददाता/समद खान

नवी मुंबई। नवी मुंबई के जुहू गांव में नाबालिक 16 वर्षीय के साथ दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। परिमंडल एक के पुलिस उपायुक्त विवेक पंसारी द्वारा मिली जानकारी के अनुसार 23 वर्षीय निलेश नत्थू राम जाधव रहवासी जुहू गांव का ही बताया जा रहा है। यह व्यक्ति नाबालिक बच्ची को बहला-फुसलाकर घर ले जाकर इसके साथ में शारीरिक शोषण करने जैसी घिनौनी हरकत करने में कामयाब हो गया और पीड़िता को धमकाया कि अगर पुलिस में शिकायत की तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे पीड़िता में अपनी मां को इस संदर्भ में उसके साथ हुए बलात्कार की जानकारी दी। मां ने तुरंत इस बात की सूचना वाशी पुलिस को दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त विवेक पंसारे के नेतृत्व में सहायक आयुक्त के मार्गदर्शन में वाशी पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश अंबाड की टीम ने 12 घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और सीआरपीसी धारा 376 354 पॉस्को 4 ओर 8 के तहत मामला दर्ज कर आगे की छानबीन शुरू कर दी है।

मुंब्रा में मनपा प्रशासन की तोड़ू कार्रवाई

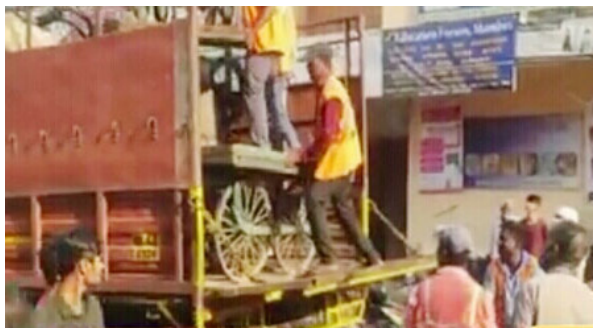

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत शनिवार मानपा प्रशासन के कार्यकारी अभियंता धनंजय गोसावी और सहायक आयुक्त सागर सालोंके द्वारा तंवर नगर परिसर में और कौसा के अंबाजी मेडिकल अलमास कॉलोनी में जाने वाले रास्ते पर कार्रवाई की। यह कार्रवाई मनपा प्रशासन ने रास्ते पर ठेले लगाने वाले होकरो पर की मनपा प्रशासन ने ठेला और तमाम सामान को जप्त कर लिया। इसी दौरान एक होकर की मनपा कर्मचारी से विवाद हो गया और बताया जा रहा है कि उस होकर ने चाकू तक निकाल लिया था और इसकी शिकायत मुंब्रा पुलिस स्टेशन में की गई और शक के आधार पर एक होकर को पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया है। गौरतलब बात तो यह है की आए दिन मुंब्रा में मनपा प्रशासन की तोड़ू कार्रवाई आम बात हो गई है। होकर का कहना है कि मनपा प्रशासन हम लोगों के साथ गुंडागर्दी कर रही है। यह बिना नोटिस के बिना सूचित किए आए दिन हमारे यहां कार्रवाई करते रहते हैं और हम लोगों का नुकसान करते रहते हैं। हम कैसे-कैसे करके रास्ते पर अपना परिवार चलाने के लिए काम धंधा कर रहे हैं और धंधे के लिए पैसा हम लोग ब्याज पर लेकर अपना माल लाने का पैसा इकट्ठा करते हैं और मनपा प्रशासन आकर हमारा नुकसान कर देती है अगर सत्ताधारी पार्टी बीते वर्षों में हॉकर्स जोन बनाकर दे देते तो यकीनन जो आज परिस्थिति मुंब्रा में पैदा हो गई है वह ना होती। आज भी इन होकर की वजह से ट्राफिक बुरी तरह से जाम रहता है। किसी को अस्पताल जाना हो या कोई भी जरूरी काम से जाना हो तो ट्रैफिक में फंसा रहता है। अब देखना यह है कब होकर वालों को हॉकर्स जोन मिलता है या यूं ही मनपा प्रशासन गरीब होकर पर यूं ही कार्रवाई करती रहेगी और बेचारे गरीबों का नुकसान होता रहेगा।

शराबी पिता ने किया अपनी 9 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म

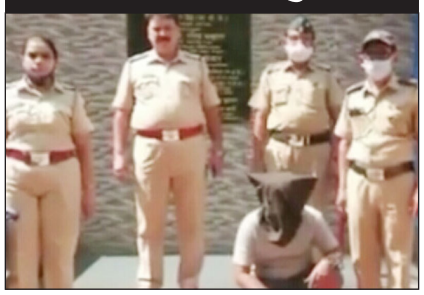

संवाददाता/समद खान

डोंबिवली। डोंबिवली के विष्णु नगर परिसर से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आ रही है शराबी पिता ने अपनी ही 9 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया मामला यह बताया जा रहा है इसी परिसर में रहने वाले एक व्यक्ति अपनी पत्नी और दो बच्चे के साथ रहता था पत्नी अक्टूबर के महीने में गांव गई थी तभी यह शराबी पति अपनी दोनों बेटियों के साथ रहता था नहाने के बहाने शराबी राक्षस बाप ने 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने लगा जब मां गांव से वापस आ गई तब बच्ची ने अपने साथ हो रहे दुष्कर्म की और शारीरिक अत्याचार की बात अपनी मां से कहीं परंतु उसकी मां समझ नहीं पाई लगातार जब बच्ची ने अपनी मां से रो रो कर शिकायत की तब जाकर मां को समझ में आ गई और मां का दिल दहल उठा जब उसे पता चला कि मेरा पति अपनी छोटी 8 महीने की बच्ची उसको भी यह हैवान पिता शराब पिलाया करता था जब मां को अपने पति की सारी सच्चाई पता चली तभी पत्नी ने अपने पति को अपनी दोनों बेटी के साथ शारीरिक अत्याचार करने के लिए मना किया पर यह हैवान पिता अपनी पत्नी की एक न सुनी और कमरे में अपनी 9 साल की बच्ची के साथ बेडरूम में सोता था और उसके साथ दुष्कर्म करता था तभी पत्नी मजबूर होकर अपने पति की शिकायत विष्णुपुर पुलिस स्टेशन में कि जहां पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इस मामले में सीआरपीसी आईपीसी की धारा 376अ 354 अ 323 504 506 और पॉस्को के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर शनिवार को अदालत में पेश किया गया जहां पर अदालत ने उसे पुलिस हिरासत में रखने के आदेश दिए।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

पत्नी पर आरोप से तिलमिलाए फडणवीस ने ....

फडणवीस के आरोप पर मलिक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'हैं तैयार हम।' मलिक के आरोप पर अमृता फडणवीस ने सोशल मीडिया में लिखा, 'उल्टा चोर कोतवाल को क्यों डांटे? क्योंकि विनाशकाले विपरीत बुद्धि!' मलिक ने कहा कि जयदीप राणा वही शख्स है, जिसने अमृता फडणवीस के एक म्यूजिक वीडियो को फाइनेंस किया था। 'रिवर सॉन्ग' नाम से बने इस वीडियो में अमृता ने न सिर्फ एक्टिंग की, बल्कि सोनू निगम के साथ गाना भी गाया था। अमृता के साथ पूर्व उट देवेंद्र फडणवीस और पूर्व वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार भी नजर आ रहे हैं। मलिक ने कहा कि राणा एक बड़ा ड्रग पैडलर है और ठउइ ने इसे जून 2021 में अरेस्ट किया गया था। वह साबरमती जेल में बंद है। मलिक ने रिवर सॉन्ग का वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो के जवाब में देवेंद्र फडणवीस ने कहा- मैं कांच के घर में नहीं रहता इसलिए मैं तैयार हूं और मैं ईट का जवाब पत्थर से देना जानता हूं। इससे पहले भी नवाब मलिक पर आरोप लगे थे और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। मलिक से पहले इस तस्वीर को निशांत वर्मा नाम के एक शख्स ने अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर किया था। निशांत वर्मा एक राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषक होने का दावा करते हैं। यही बात उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर भी लिखी है। वह इखढ के खिलाफ कई बयान देते रहे हैं। साथ ही भाजपा और उसके नेताओं की आलोचना करते रहे हैं। पूर्व उट पर एक और आरोप लगाते हुए मलिक ने कहा कि सचिन वझे की तरह ही फडणवीस ने नीरज गुंडे नाम के एक शख्स को अपने साथ रखा था। राज्य में ट्रांसफर-पोस्टिंग के पूरे रैकेट और वसूली का पूरा काम गुंडे ही देखता था। पूर्व उट जब भी मुंबई से पुणे जाते थे, वे नीरज के घर पर रुकते थे। उसका मुख्यमंत्री निवास और मुख्यमंत्री कार्यालय में सीधा एक्सेस था।

दिलशाद खान हुए इंडिया फेम अवार्ड .....

अगर आप ईश्वर द्वारा बताये मार्ग पर चलेंगे तो सफलता और शौहरत आपके कदम चूमेगी दिलशाद खान राष्ट्रीय समाचार पत्र दैनिक मुंबई हलचल के संपादक और ऑनर भी हैं। जोकि इन्डिया फेम अवार्ड टॉप पच्चीस में चयनित होने से पहले कई प्रसिद्ध अवार्ड अपने नाम कर चुके हैं। जैसे गोल्डन ह्यूमैनिटी अवार्ड दोहजार इक्कीस, और गोल्डन प्रेस्टीज अवार्ड दो हजार इक्कीस से सम्मानित हो चुके हैं इसके अलावा महात्मा गाँधी रत्न अवार्ड 2021और दादा साहेब फाल्के अवार्ड से भी सम्मानित हो चुके हैं। दिलशाद खान को दौलत और शोहरत मिलने के बाद भी उनकी जीवन शैली में कोई परिवर्तन नही आया है। दिलशाद खान युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत हैं मुम्बई में इंडिया फेम अवार्ड के टॉप पच्चीस में चयनित होने से उनके चाहने वालों में खुशी की लहर हैं। फेम इंडिया में चयनित होने पर दिलशाद खान के लिए उनके चाहने वालों ने भारत के विभिन्न प्रान्तों जनपदों से सैकड़ों की संख्या में सम्मानित लोगों ने एफ बी, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, ट्वीटर, व्हाट्सएप, मैसेन्जर, फोन कॉल के माध्यम से मुबारकबाद दी है।

सैम डिसूजा का दावा- आर्यन को छोड़ने के लिए ....

सैम के मुताबिक, उन्हें इस बात का शक हो गया था कि प्रभाकर और गोसावी मिलकर कोई खेल खेल रहे हैं, इसलिए उसने इस पैसे को पूजा ददलानी को वापस करवा दिया। सैम ने यह भी बताया कि NCB के अधिकारियों को इस डील की कोई जानकारी नहीं थी। सैम ने यह भी आरोप लगाया कि किरण गोसावी और प्रभाकर ने मिलकर यह पूरा खेल रचा था। सैम ने बताया कि उन्हें तीन तारीख की सुबह पता चला कि यह आर्यन खान है। आर्यन खान ने ही उन्हें पूजा ददलानी से बात करवाने के लिए कहा था। उस गोसावी ने कहा था कि आर्यन एक दम क्लीन है और हमें उसकी मदद करनी है। मैंने कन्फर्मेशन नहीं दिया कि मैं हेल्प करूंगा, मैंने सिर्फ इतना कहा कि हम ट्राई कर सकते हैं। गोसावी ने आर्यन खान का एक सिल्वर बैग भी दिखाया था। इसके बाद किरण गोसावी के मोबाइल पर आर्यन ने एक वॉयस रिकॉर्ड किया था। आर्यन ने इसे वॉयस नोट में कहा था 'पापा, मैं एनसीबी में हूं'। फिर किरण गोसावी मोबाइल फोन लेकर एनसीबी ऑफिस से बाहर आ गया। सैम ने आगे बताया कि मुझे सुनिल पाटिल के जरिए पता चला था कि किरण गोसावी ने पैसे लिए थे। यह डील NCB के ऑफिसर ने नहीं की थी। मेरे पास इसके गवाह भी हैं। गोसावी ने प्रभाकर सइल का नाम 'रह' से सेव कर आपस में बात की थी और हमें दिखाया था कि यह NCB अधिकारी की ओर से पैसे के लिए दबाव आ रहा है। इसके बाद फोन कटते ही 'टू कॉलर' पर प्रभाकर नाम उभर कर आया और हमें तभी पता चला कि प्रभाकर और किरण गोसावी कोई खेल कर रहे हैं।' इसके बाद हमने हमने गालिगालैज करके उनके(शाहरुख) पैसे वापस करवाए। पैसे तीन पर में आये थे। पहले 36 लाख, फिर 5 लाख और फिर कुछ और कैश आया था। किरण गोसावी 2018 के धोखाधड़ी के एक मामले में पुणे पुलिस की कस्टडी में है। सैम डिसूजा ने कहा कि किरण गोसावी ने मुझे बताया कि आर्यन खान के पास कोई ड्रग्स नहीं है। इसलिए उन्होंने मुझे उनकी मदद करने के लिए कहा। जैसा कि मामला साफ था, हम उस समय मध्यस्थता करने के लिए सहमत हुए। सैम ने यह भी बताया कि उनका इस वसूली मामले से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके पास सुनील पाटिल

वसूली कांड में फंसे सचिन वझे 6 नवंबर तक .....

गोरेगांव थाने में दर्ज वसूली के मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने विशेष अदालत से वाजे की हिरासत का अनुरोध करते हुए कहा था कि अपराध की आगे की जांच जरूरी है। वझे ने हाल ही में बाइपास सर्जरी कराई थी। इसका संज्ञान लेते हुए अदालत ने जेल अधिकारियों से उनके स्वास्थ्य की स्थिति को लेकर एक रिपोर्ट मांगी थी। अदालत ने पाया कि वझे कुछ दिनों की यात्रा करने के लिए फिट हैं। अदालत ने पिछले हफ्ते जेल अधिकारियों को एक नवंबर को उनकी हिरासत मुंबई पुलिस को सौंपने का निर्देश दिया। बिल्डर सह होटल व्यवसायी विमल अग्रवाल की शिकायत पर सचिन वझे, परमबीर सिंह व अन्य के खिलाफ वसूली का मामला दर्ज किया गया था।

मुंबई में बस्ती बस्ती पहुंची अस्थी कलश यात्रा और किसान आंदोलन

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य के अलग-अलग जिलों में, गांवों और बस्तियों में लखीमपुर खीरी के शहीद किसानों के अस्थी कलश यात्रा 27 सितंबर से फुले वाडा (पुणे) और हमाल भवन में हुए सम्मेलन के बाद शुरू हुई है । मुंबई में 28 तारीख को पहला कार्यक्रम माहुल में चेंबूर के पास होने के बाद, दूसरा कार्यक्रम हुआ सिद्धार्थनगर की बस्ती में वरसोवा अंधेरी में। सिद्धार्थनगर में अपने घर के लिए बरसों से लड़ने वाले साथी जयमती,भाई नेहा बहन और अन्य रास्ते पर उतर कर शहीदों को नमन करने के लिए सैकड़ों की तादात में आगे आए। हमारी बहनों ने किसान मजदूर एकता जताते हुए, अपनी भावना व्यक्त की। जयमती भाई बोले कि, हमारे संघर्ष को हम लोग किसानों के सम्मान के साथ जोड़ना चाहते हैं। गोलीबार से खार में चल रहे संघर्ष से पधारे कृष्णा नायरजी ने किसानों को कम से कम उपज का दाम मिल कर कैसे नरक यातना और आत्महत्या भुगतनी पड़ती है, इसका वर्णन किया और कहा कि आज देश को बचाने के लिए किसान आंदोलन ही एक आशा स्थान है । हर प्रकार की हिंसा का विरोध करते हुए मेधाताईने किसान आंदोलन के पूरे इतिहास को संक्षिप्त में रखा और तीनों कानूनों के कारण किसानों की खेती पर तो आक्रमण होगा ही, लेकिन गरीबों की सस्ते अनाज की राशन व्यवस्था भी खत्म हो जाएगी, इस बात के स्पष्टता की। उन्होंने कहा कि अब हिंसा का आधार ले रही है केंद्र की, यूपी की और हरियाणा की सरकार... क्योंकि उन्हें पता चला है देश की जनता अब जागृत हो चुकी है और आने वाले चुनाव में उनके लिए किसान और मजदूर विरोधी कानून निश्चित ही खतरा साबित होंगे। सिद्धार्थ नगर में पहुंचे थे विभिन्न बस्तियों के लोग और प्रतिनिधि जिनमें समर्थक जय किशन भाई भी थे और पूजा पंडित ने शहीदों को नमन करते हुए, आजादी के जंग को याद करते हुए,के द्वारा प्रेरणा को आगे बढ़ाया । पूनम कनौजिया ने कार्यक्रम का सूत्र संचालन किया, कहां की ,घर बचाओ घर बनाओ आंदोलन किसान मजदूर एकता के साथ दिल्ली तक पहुंच चुका है। लेकिन आज के आगे 28 नवंबर के रोज 1 साल पूर्ति के समय हम सब आजाद मैदान पर हजारों की तादाद में उपस्थित रहेंगे । सभी सभी मजदूर महिला और पुरुषों में जो उनके मूल गांव में आज भी छोटे या सीमांत किसान है उन्होंने मोमबत्ती ही नहीं तो मशाल भी जलाई और अपना संकल्प व्यक्त किया ।

सिद्धार्थनगर के बाद कलश यात्रा अप्पा पाड़ा मलाड में पहुंची

यह कार्यक्रम में रात 8:30 से 10:30 बजे तक चला। कई सारे अतिथि इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए । सलीम भाटीजी, जो मुस्लिम समाज के संगठन के साथ साथ समाजवादी विचारधारा के, जनता दल सेक्युलर के अहम प्रतिनिधि रहे हैं। भाटीजी ने हिंसा और हत्या जो जाति और मजहब के नाम बढ़ती जा रही है उसका निषेध किया और लखीमपुर खीरी हिंसा के बाद जो महिलाओं को टिकरी बॉर्डर से बहादुरगढ़ के द्वारा पंजाब लौटते हुए ट्रक से उड़ाया , तथा त्रिपुरा में विश्व हिंदू परिषद की रैली में मुस्लिम बंधु और मस्जिद पर हत्या का भी जिक्र किया । मालाड के अप्पापड़ा क्षेत्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. चौहानजी ने भी किसानों और मजदूरों की एकता का महत्व बताते देश को बचाने का ऐलान किया। किसान आंदोलन एक प्रकार से आजादी की जंग हैं और हमें उस आंदोलन में सहभागी होते आए हैं उससे भी आगे बढ़कर अब हिंसा को रोकने का संकल्प लेना जरूरी है। मेधा पाटकरजी ने लखीमपुर खीरी के हिंसा की कारण मीमांसा करते हुए कहा कि, 26 नवंबर से पिछले साल भर में कई प्रकार से केंद्र और यूपी की सरकारने हिंसा की है । लेकिन अब अमानवीय था दशानें वाली बर्बरता से भरी हिंसा खुले आम हो रही है । ऐसे राजनेता इस देश की संपत्ति भी बेच रहे हैं, जो गरीबोंको भूखे मारनेकी साजिश दिख रही है। हिंसा के बावजूद डटे हुये किसान 631 आंदोलन में शहीद हो चुके है उन्हें भी श्रद्धांजलि नही तो कार्यांजलि अर्पित करने का संकल्प किया गया । माहुल में प्रकल्पग्रस्तोंके पुनर्वसित होने से जिन्होंने मौत भुगती है , उन्हें भी एक प्रकार से विकास के नाम पर हो रहे हिंसा के मुफ्तभोगी ही मानना चाहिए । हम लोग ना ही जात और मजहब के नाम पर, ना ही विकास के नाम पर हिंसा का समर्थन नहीं कर सकते। कई अपराधों के लिए दी जाने वाली फांसी के सजा के भी हम विरुद्ध है । मोदी विरुद्ध गांधी की लड़ाई में हम सब गांधी जी के मार्ग पर ही चल रहे हैं और चलते रहेंगे ऐसा मेधा पाटकरजी ने कहा । त्रिपुरा में हो रही मुस्लिमों की हत्या और मस्जिदों पर हुए हम लोग का निषेध उन्होंने व्यक्त किया और मजहब के नाम पर गुंडागर्दी नहीं चलेगी....नहीं चलेगी... इस नारे के साथ उस हिंसा का धिक्कार किया। शहीदों की अस्थीस को फूल अर्पित कर सैकड़ों मोमबत्तियां और मशाले जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

29 नवंबर को यह यात्रा मालवणी के अंबोजवाडी में पहुंची ।

करीबन 12000 परिवारोंकी यह बस्ती जो 2005 के बाद उजाड़ी गई थी । उसे बसाने का कार्य घर बचाओ घर बनाओ आंदोलन ने अन्य साथियों के साथ किया। इसमें महिलाए, पुरुष और युवाओंका बड़ा सहभाग रहा। अंबुजवाड़ी में दया शंकर भाई ,रहमत भाई और सभी साथियों ने अपना गुप्ता जी के साथ साथ शहीदों को श्रद्धांजलि का कलश यात्रा का कार्यक्रम चलाया। इसमें सैकड़ों भाई-बहन हिंदू - मुस्लिम समाज के शरीक हुए। श्रमिक जनता संघ के महासचिव जगदीश खैरलियाजी ने श्रमिकोंको न्याय देनेवाले 29 कानून को बदलने की मोदी शासन की साजिश का धिक्कार किया । साथ ही वकील शेख सहिद और नंदू शिंदे भी इस अस्थी कलश यात्रा में शामिल हुए । हर किसी ने किसान आंदोलन को एक चिवटता से भरा और पथ निर्देशक आंदोलन माना। किसानों के शहादत से हमारे समता और न्याय के लिए चलने वाले आंदोलन को प्रेरणा मिली है और मिलती रहेगी , यह बात भी सबके सामने रखी । विभिन्न गीतो द्वारा बहुत ही भावुक माहौल पूनम कनौजिया, निर्मला गुप्ता और अन्य साथियों ने यहां निर्माण किया। मेधा पाटकर जी ने जगदीश खैरालियाजी के साथ श्रमिक जनता संघ और घर बचाओ घर बनाओ आंदोलन की तरफ से किसानों पर हो रहा हमला मजदूरों के जीवन पर की हमला हो रहा है और होगा। इस बात को विश्लेषण के साथ लोगों को समझाया । लखीमपुर खीरी की हिंसा मुख्य कारण रहे केंद्र के गृहराज्यमंत्री अजय मिश्रा जी को मंत्री पद से हटाने की मांग जोर शोर से रखी गयी । साथ ही हिंसा का आधार किसी भी मौके पर लेना संयुक्त किसान मोर्चा को मंजूर नहीं है, यह बात भी सभी ने दोहराई । सिंघु बॉर्डर की हत्या हो या करनाल की हत्या हमें ना मंजूर है । यह कहते हुए अहिंसा के पथ पर चलने का संकल्प बस्तियों में अपने नारों से और गीतों से व्यक्त किया। मशाले और मोमबत्तियां जलाते हुए जलाकर कलश अस्थि कलश यात्रा किसान मजदूर एकता 28 नवंबर को मुंबई में जरूर दिखाएगी... यह निर्णय जाहिर किया गया । गरीबों की राशन व्यवस्था यानी अन्न सुरक्षा पर हो रहा आक्रमण हम लोग नहीं सहन करेंगे , इसलिए किसान आंदोलन के हिस्सा रहे घर बचाओ घर बनाओ आंदोलन और जन आंदोलनोंका राष्ट्रीय समन्वय के साथीयोंने मुट्ठी बांधकर संकल्प लेते हुए श्रद्धांजली अर्पित की ।

उदयपुर की समाजसेविका के. बी. सुखवाल महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। उदयपुर की वरिष्ठ समाजसेविका एवं कट्टर हिन्दू महिला नेता को अखिल भारतीय मानव सेवा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। सुखवाल की यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपुरोहित ने की हैं! गौरतलब हैं कि सुखवाल विभिन्न संगठन से जुड़ी हुई होकर मानव सेवा कार्यों के लिए प्रतिबद्ध हैं! के. बी. सुखवाल अपने क्षेत्र में प्रख्यात हिन्दू संगठन के लिए दें कि हिन्दू धर्म की प्रखर एवं स्पष्ट सुखवाल की ये नियुक्ति समाजसेवा लिए खुलेआम कृतसंकल्पित रहने अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपुरोहित संगठन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद सुखवाल ने संगठन के राष्ट्रीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष आभार व्यक्त किया हैं तथा संगठन कार्य करने के लिए विश्वास जताया है! बधाई देने वालों में भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एवं दैनिक जम्मू परिवर्तन व दैनिक वेलकम इंडिया तथा दैनिक मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़, दिल्ली हाईकोर्ट के अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह तोमर, वरिष्ठ समाजसेविका डॉ. सुनीता खोखर (भीलवाड़ा), कृष्ण गोपाल शर्मा (आमेसर), रामसुख मेघवंशी (आमेसर), पत्रकार गोपाल वैष्णव (रायला) आदि ने सुखवाल को बधाई और शुभकामनाएँ दी है!

ढोंगी बाबाओं, मुल्लाओं, पादरियों के चक्कर में लुटती, जनता को सचेत रहना होगा - राठौड़

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। देश में धर्म के नाम पर जनता को बरगलाते बैठे अनगिनत ढ़ोंगी पाखंडी पोंगा पंडित काफी समय से भोली भाली व गरीब जनता का जी भरकर शोषण करते आ रहे हैं! इन कथित तांत्रिक और पोंगा पंडितों की स्वप्निल मायावी दुनियाँ में भी भोली भाली जनता इनके चेले चपाटों के सहयोग से इस तरह से भ्रमित होकर कभी पूरे ना होने वाले द्विसपनों में इस तरह से उलझी हुई रहती हैं कि वो चाहकर भी समय से पहले नहीं निकल सकती हैं! मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ ने कहा कि आज भी देखा जाए तो दुनियाँ में रिश्तों की आड़ में इंसान कभी कि- सी भी तरह नहीं उलझता मगर इन बाबाओं व मुल्लाओं तथा पादरियों द्वारा धर्म के नाम पर जनता को बरगलाने व बहकाने में जनता बहुत जल्द भावुक हो जाती हैं और जनता को बहकाने में दो कदम आगे निकल चुके इनके चेले चपाटे व पौंगा पंडितों के स्वप्नरुपी जाल में इस कदर उलझती हैं कि उन्हें भविष्य के आगे पीछे का बिलकुल भान ही नहीं रहता है और वो अपना बहुत कुछ इन बाबाओं के चक्कर में जिंदगी का सब कुछ बर्बाद कर देती हैं! अब तटस्थ जरूरत इस बात की हैं कि धर्म के नाम पर दुकान चलाने वाले कथित इन पोंगा पंडित व ढोंगियों के धर्म के झूठे और बेबुनियाद तथा मनगढंत झूठे झांसे में नहीं आते हुए हमेशा सचेत रहें! हम आपको बता दें कि धर्म के नाम पर जनता को बेवकूफ बना कर धंधा करने वाले अधिकांश बाबा देह व्यापार के केस में अभी देश की विभिन्न जेलों में अपना भाग्य आजमा रहे हैं! जिनको धर्म के नाम पर जनता को बेवकूफ बनाकर ठगने व उनका दैहिक शोषण करने वाले ऐसे कई बाबाओं को देश की विभिन्न अदालतों ने इनको करारा तमाचा मारते हुए इन्हें इनकी स-

ही जगह पर पहुँचाया हैं जो इनकी सही जगह है, बस जरूरत है तो सिर्फ इनकी धर्म के नाम पर चालबाजी करके गुमराह होने वाली गलत संगत से बचने की और इनके कथित चेले चपाटे की दकियानूसी सोच जनता को झूठे और बेबुनियाद झूठे झांसे में सचेत रहने की ताकि इनको सही जगह के अंजाम तक पहुँचाया जा सके!

धूमधाम से मनाया गया जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया जन्म दिवस

संवाददाता/ विद्या शंकर शुक्ला

नारीबारी, प्रयागराज। दिन रविवार को महान महापुरुष सरदार बल्लम भाई पटेल की जयंती एवं कु, रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया राष्ट्रीय अध्यक्ष जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी पूर्व मंत्री एवं विधायक- कुंडा प्रतापगढ़ के जन्मदिन के शुभ अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन एसएसडी पब्लिक स्कूल मवैया मोड़ नारीबारी में किया गया जिसमें सरदार पटेल की उपलब्धियों एवं राजा भैया के कार्यों पर चर्चा करने के बाद केक काटक- र राजा भैया का जन्मदिन मनाया गया इसके पश्चात सैकड़ों गरीब व असहाय वृद्ध विकलांग लोगों को कंबल वितरण किया गया उसके पश्चात मिष्ठान व के एक प्रसाद के रूप में सभी लोगों को वितरित किया गया अंत में पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता पार्टी के विस्तार व आगामी चुनाव के विषय में चर्चा करते हुए कार्यक्रम का समापन कर दिया गया जिसमें पार्टी के जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा प्रिंस सिंह परिहार वरिष्ठ कार्यकर्ता ओमप्रकाश सिंह ग्राम प्रधान मवैया कला संतोष सिंह बीडीसी श्याम धर्मा पूर्व प्रधान ददन सिंह ग्राम प्रधान फुल तारा सूबेदार सिंह ब्लॉक अध्यक्ष जसरा मांजी शुभम सिंह ब्लॉक अध्यक्ष गौरव प्रेम प्रकाश सिंह प्रवक्ता अभिषेक सिंह बृजेश वैभव विनीत शुक्ला विकास शुभम शिवम स्वतंत्र विनय प्रयाग चौहान विनय सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हाजी नाजिश खान का बयान

किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हाजी नाजिश खान ने अपने बयान मे त्रिपुरा मे हो रहे एक ही समुदाय एक धर्म के प्रति जो नफरत का बीज बोया जा रहा है उस पर कड़ी शब्दों मे निंदा करते हुए कहा की जिस तरहा से नौजवानो को बहकाकर मस्जिदों पर हमला करवाया जा रहा है उन्हें नुकसान पहुंचाया जा रहा है कुरान जो की एक पाक किताब है उसे जलाने जैसा घिनौना काम किया जा रहा है। हम उसकी कडी शब्दों मे निंदा करते है नाजिश खान ने कहा की सरकार इस तरहा के हथकंडे आजमाकार देश के भाई चारे को खतम करने का काम कर रही है हमें इसे समझना होगा और हमारे हिन्दू भाइयो को भी इसे समझना होगा की सरकार तो आती जाती रहती है मगर अगर हिंदुस्तान की एकता खतम हो गयी तो जो नुकसान हिंदुस्तान का होगा वो भाजपा का नही मेरी हिंदुस्तान के सभी समुदाय से हाथ जोड़कर बिनती है की इस तरहा के बहकावे मे आकर किसी भी धर्म के प्रति ऐसा कोई काम नही करें जिससे उस धर्म को ठेस पहुचे आगे हाजी नाजिश खान ने त्रिपुरा जिला प्रशासन से अपील करते हुए कहा की जो भी इस तरहा की घटना को अंजाम दे रहे है उनके खिलाफ देश द्रोही का मुकदमा लगाकर उन्हें सख्त सख्त सजा देनी चाहिए ताकि आगे कोई भी किसी भी धर्म पर हमला नहीं करें मस्जिदों को जलाना मंदिरो को तोडना ये कोई धर्म नही सिखाता है ये सब भाजपा के हथकंडे है हमें इन्हे समझने की जरूरत है।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की महिला आघाडी की लाल खड़ी मे शाखा का उद्घाटन

शहर महा सचिव इकबाल ने और २५ शाखाओ का किया एलान

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की शहर महिला आघाडी बनाई गई । जिसमे महिला शहर अध्यक्ष अमरीन खान शहबुद्दिन खान को नियुक्त किया गया श-हर महा सचिव कुबरा बनो इकबाल साहिल की वालेदा को नियुक्त किया गया शहर उप अध्यक्ष पद पर इरफाना परवीन अहमद शेख को नियुक्त किया गया। लाल खड़ी मे उमेन्स लीग की पहली शाखा का उद घाटन किया गया जिसमे मुस्लिम लीग के महाराष्ट्र अध्यक्ष सय्यद अफसर अली साहब यूथ लीग के महाराष्ट्र अध्यक्ष इमरान अशरफी शहर अध्यक्ष अब्दुल रेहमान श-हर महा सचिव इकबाल साहिल शहर उप अध्यक्ष अहमद शेख मौजूद थे। पार्टी के जुम्मेदारों ने मुस्लिम लीग की कुर्बानियों पर बात की। सैकड़ो औरतों ने मुस्लिम लीग में प्रवेश लिया और हरे परचम को थामने का आएलान किया। शहर महा सचिव इकबाल साहिल ने मीटिंग के दौरान लाल खड़ी बिस्मिल्लाह नगर उस्मान नगर हुसैन नगर यास्मीन नगर अकबर नगर सबा नगर वाटर सप्लाई मे और भी २५ शाखा खोलने का आएलान किया । वही

इमरान अशरफी ने मुस्लिम लीग के नुमाइंदो की कामियाबी की बात करते हुए मुस्लिम इलाके में तालीम के मैयार को बुलंद करने की बात कही सय्यद अफसर अली महाराष्ट्र अध्यक्ष ने मुस्लिम इलाकों मे बुन्यादि सुविधाओं को मुहैय्या करने की बात की श-हर अध्यक्ष अब्दुल रेहमान साहब ने पार्टी की मेहनतें बताकर सबका आभार वियक्त किया लाल खड़ी की शाखा मे शाखा अध्यक्ष पद पर रुखसाना बनो मो जाकिर उप अध्यक्ष पद पर नसीम बनो अब्दुल हाफिज शाखा महा सचिव पद पर शहिस्ता बानो मो। मजहर को नियुक्त किय गया इसी तरहा सलमा पर्वीन मुहम्मद शाह शमीम बानो। मो शब्बीर जरीना तबस्सुम आसिफ खान को सदस्य के रूप मे नियुक्त किया गया हिंदुस्तान के हालात पर रौशनी डालते हुए इकबाल साहिल ने मिस्लिम उमेन्स लीग मे आने वाले सभी को मुबारक बाद पेश की। इस मौके पर अहमद शेख आसिफ खान शाकिर खान एड सहाबुद्दीन खान मौजूद थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पेट्रोल-डीजल की रिकॉर्ड ऊँची कीमतों से

सरकार के आए 'अच्छे दिन'

रिपोर्टर/अरमान उलहक

नई दिल्ली। महंगाई के बीच पेट्रोल डीजल की रिकॉर्ड ऊँची कीमतों से एक तरफ जहां आम आदमी तबाह है और उसकी की जेब पर लगातार लोड बढ़ता ही जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ, सरकार को बढ़ती कीमतों से जबरदस्त फायदा हो रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क संग्रह चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 33% बढ़ा है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यदि कोविड-पूर्व के आंकड़ों से तुलना की जाए, तो पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क संग्रह में 79% की बड़ी वृद्धि हुई है।

वित्त मंत्रालय में लेखा महानियंत्रक के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले 6 माह में पेट्रोलियम उत्पादों पर सरकार का उत्पाद शुल्क संग्रह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 33% बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले साल की समान अवधि में यह 1.28 लाख करोड़ रुपये रहा था। यह अप्रैल-सितंबर, 2019 के 95,930 करोड़ रुपये के आंकड़े से 79% अधिक है। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 में पेट्रोलियम उत्पादों से सरकार का उत्पाद शुल्क संग्रह 3.89 लाख करोड़ रुपये रहा था। 2019-20 में यह 2.39 लाख करोड़ रुपये था।

माल एवं सेवा कर यानि जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद सिर्फ पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन और प्राकृतिक गैस पर ही उत्पाद शुल्क लगता है। अन्य उत्पादों और सेवाओं पर जीएसटी लगता है।

उत्पाद शुल्क से तेतीस प्रतिशत अधिक हुई कमाई

नेपाल सरकार ने भारतीय सीमा पर बढ़ाई सख्ती

भारतीय नागरिकों की एंट्री के लिए

लागू हुए नये कड़े नियम

रिपोर्टर/अरमान उलहक

नई दिल्ली/काठमांडू। पड़ोसी देश नेपाल की सीमा यूपी के पूर्वांचल के जनपद श्रावस्ती से सटी हुई है जिससे भारतीय नागरिक बिना पहचान पत्र दिखाए हुए ही भारत से पड़ोसी देश नेपाल काठमांडू जाने वाले भारतीय नागरिकों के प्रवेश पर नेपाल सरकार ने कड़ाई से सख्ती बरतने का फैसला लिया है । दरअसल, अब तक बिना किसी रोक-टोक के सड़क मार्ग से सीधे नेपाल प्रवेश करने वाले भारतीयों को आज से नेपाल प्रवेश करने पर पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य हो गया है।

नेपाल सरकार के गृहमंत्री बालकृष्ण खांड ने एक आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए भारतीय नागरिकों के नेपाल प्रवेश में नए नियमों को लागू करने का आदेश जारी कर दिया है। नेपाल सरकार की तरफ से यह दलील दी जा रही है कि खुली सीमा का फायदा उठाते हुए तीसरे देश के नागरिक आसानी से नेपाल में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे नेपाल की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

हाल ही में 11 अफगानिस्तानी नागरिक भारत के रास्ते नेपाल में प्रवेश कर गए थे। हालांकि उनके पास भी भारतीय पहचान पत्र था, लेकिन जांच में पता चला कि वो सब पहचान पत्र फर्जी थे अफगानिस्तान के नागरिकों के पास से फर्जी आधार कार्ड मिलने के बाद से दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था। बाद में जांच से पता चला कि इन अफगान नागरिकों ने पंजाब से आधार कार्ड हासिल किए थे।

नेपाल सरकार के इस फैसले से स्थानीय लोगों और व्यापारियों को थोड़ी परेशानी हो सकती है। दरअसल, कई लोग रोजमर्रा के काम और व्यापार के सिलसिले में नेपाल आते जाते रहते हैं। नेपाल की तरफ से यह निर्णय लागू कर दिया गया है। साथ ही उसने कूटनीतिक माध्यम से भारत को भी इस प्रकार का नियम लागू करने के लिए अनुरोध किया है।

किसानों के हक के लिए स्वाभिमानी ने

बुलढाणा में निकाला विशाल मोर्चा

बुलढाणा। दिन-रात मेहनत करने से किसानों को सोयाबीन और कपास की उचित कीमत नहीं मिल पा रही है। आर्थिक तंगी के चलते वह मौत के कगार पर है। स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के नेता रविकांत तुपकर ने रविवार दोपहर एल्गार मोर्चा के दौरान दुनिया को बचाने वाले बलिराजा का अधिकार हासिल करने के लिए महाराष्ट्र में 12 नवंबर से आंदोलन शुरू करने की घोषणा की. रविकांत तुपकर ने सोयाबीन के लिए 8,000 रुपये प्रति क्विंटल और कपास के लिए 12,000 रुपये प्रति क्विंटल और 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर के लिए आंदोलन का आह्वान किया था। उसी के मुताबिक रविकांत तुपकर के नेतृत्व में सोयाबीन और कपास उत्पादकों के विशाल मोर्चा 31 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय पर धावा बोल दिया. इसमें हजारों पुरुष और महिला किसानों ने भाग लिया। डीईडी कॉलेज के विशाल परिसर में वाहनों को अनुशासित करने के बाद रविकांत तुपकर के नेतृत्व में बड़ी देवी से शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय तक मार्च निकाला. मोर्चा एक बैठक में तब्दील हो गया था। इस अवसर पर विदर्भ के दामुअण्णा इंगोले , अमित अढाव , प्रवीण मोहळ , कुलदीप करपे , किशोर ढगे , शैलेश ढोबळे , प्रदीप शेळके सहित बड़ी संख्या में युवा महिला किसान मौजूद थे।

अब्बासी सोसाइटी के कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधिकारियों से मिलकर

उठायीं जनहित की समस्याएं

रिपोर्टर/अरमान उलहक

सम्भल। शहर में लगातार बढ़ रही बाल भिक्षावृत्ति रोकने के लिये प्रयासरत अब्बासी वेलफेयर हैल्थ एंड एजुकेशनल सोसाइटी की महिला विंग अध्यशा शाजिया खान व यूथ विंग अध्यक्ष सिबते अली के साथ सोसाइटी पदाधिकारियों द्वारा सदर कोतवाली कार्यालय में सीओ सर्किल अरुण कुमार सिंह व कोतवाली प्रभारी पंकज लवानिया से वार्ता की ओर शहर के चन्दौसी चौराहा यशोदा चौराहा चौधरी सराय चौराहा शॉपिंग मॉल के बाहर बाल भिक्षाव्रति पर पूरी तरह से रोक लगाने की अपील की क्योंकि इन प्रमुख स्थानों पर देर रात्रि तक बालिकाएं भीख मांगती है ऐसे में इन के साथ कोई अपराधिक घटना भी घट सकती है जिसके लिये सभी सोसाइटी सदस्यों ने प्रसाशनिक अधिकारियों से इन जगाहों पर महिला पुलिस कर्मियों के साथ रात्रि के समय एक विशेष चेकिंग अभियान चलाकर भीख मांगने वाले इन लोगो को चिन्हित कर उन पर कड़ी कार्यवाही कराई जाये ताकि मासूमो का भविष्य चौपट ना हो पाये इस दौरान मोहम्मद सलमान आमिर सुहैल रेहान खान यूसुफजई उपस्थित रहे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शोध में हुआ दावा

कोरोना वायरस बना सकता है बहरा...

कोरोना वायरस श्रवण संबंधी समस्याओं को नुकसान पहुंचा सकता है। यहां तक कि यह वायरस कोरोना संक्रमित व्यक्ति को बहरा भी बना सकता है। एक नए शोध में इसका खुलासा हुआ है।

नए अध्ययन में पता चला है कि वायरस कान के भीतरी हिस्से को संक्रमित कर सकता है।

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और मैसाचुसेट्स आई एंड ईयर के शोधकताओं ने ऐसे 10 कोविड-19 मरीजों को देखा, जो कान से संबंधित बीमारियों से परेशान थे।

शोधकर्ताओं ने पाया कि वायरस कान के आंतरिक कोशिकाओं, विशेष रूप से बालों की कोशिकाओं को संक्रमित कर सकता है। इस वजह से सुनने और संतुलन की समस्या हो सकती है। कोरोना से संक्रमित लोगों ने कम सुनाई देना, टिनीटस, चक्कर आना और संतुलन जैसी दिक्कतों के बारे में बताया था।

सुनने की क्षमता पर हमला

शोध के सह लेखक डॉ. कोन्स्टेंटिना स्टैंटोविक और डॉ. ली घेरके ने यह पता ल गाने की कोशिश की कि क्यों वायरस और हेपेटाइटिस जैसी बीमारी महामारी आने से पहले सुनने की क्षमता पर हमला करता था। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि मार्च, 2020 में कोरोना से संक्रमित लोगों में बहरापन, चक्कर आना या टिनीटस जैसी समस्या देखने को मिली। मैसाचुसेट्स आई एंड ईयर में ओटोलॉजी और न्यूरोटोलॉजी के पूर्व प्रमुख और ओटोलरींगोलॉजी-हेड और विभाग के वर्तमान अध्यक्ष स्टैंटोविक ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बीमारी संयोगवश हुआ या नहीं।

चक्कर आना

चक्कर आना, उल्टी होना, जी मिचलाना ये कोई कोरोना वायरस के क्लासिक लक्षण नहीं हैं। चक्कर आने पर जब व्यक्ति घूमने जैसा महसूस कर रहा हो तो इसका असर कान पर हो सकता है। ऐसे में आपको कोरोना के इस लक्षण से भी सजग रहने की आवश्यकता है।

सुनने की क्षमता खो देना

एक या दोनों कानों में कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा हो सकता है। अध्ययन के दौरान 7.6 प्रतिशत से अधिक लोग बहरेपन की समस्या से ग्रसित हुए हैं। तथा कुछ लोगों में सुनने की क्षमता में गड़बड़ी देखी गई है। जब मरीजों से उनके सुनने की क्षमता के बारे में पूछा गया तो 121 संक्रमितों में से 16 लोगों ने कहा कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के आठ हफ्ते बाद उनके सुनने की क्षमता कम हो गई थी। इनमें से आठ लोगों ने कहा कि उनके श्रवण क्षमता में गड़बड़ी पैदा हो गई थी, जबकि आठ ने टिनीटस की शिकायत की।

समय की है कमी?

ग्लोइंग स्किन के लिए फॉलो करें ये दो स्टेप्स

फेस्टिव ग्लो किसे पसंद नहीं होता। त्योहार पर हर कोई खूबसूरत दिखना चाहता है। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है स्किन का खूबसूरत होना। ऐसे में आपको स्किन की केयर तो करनी होगी जिससे आपको खूबसूरत स्किन मिल सके। अब ऐसी स्किन पाने के लिए जहां कुछ महिलाएं पार्लर का रुख करती हैं। हालांकि इन दिनों दिवाली की सफाई और शॉपिंग के बाद ये मुश्किल हो जाता है। कि आप घंटे भर का समय पार्लर में बिताएं। तो जानते हैं दिवाली पर दो स्टेप्स में कैसे पाएं इंस्टेंट ग्लोइंग स्किन।

1) क्लिनिंग- स्किन को साफ करना बहुत जरूरी है। ऐसे में किसी भी स्किन केयर का पहला स्टेप भी क्लिंजिंग से ही शुरू होता है। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ नहीं करना है। सिर्फ एक बाउल में दूध लें फिर एक ग्रीन टी बैग को उसमें डिप करें। अच्छे से डिप हो जाने के बाद कॉटन बॉल की मदद से इसमें डिप करके चेहरे को साफ करें। दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन पोर्स को गहराई से साफ करता है। साथ ही स्किन पर जमी गंदगी- मुहांसे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करता है। वहीं ग्रीन एक एस्ट्रिंजेट है जो स्किन पर जादू की तरह काम करता है।

कस्तूरी हल्दी का फेस मास्क कई स्किन प्रॉब्लम्स को करता है ठीक, चेहरा बनता है नेचुरल ग्लोइंग

2) फेस मास्क- जब स्किन अच्छे से क्लीन हो जाएगी तो बारी आती है फेस मास्क की। इसके लिए आप अंडे से सफेद हिस्से में ग्रीन टी पाउडर मिलाएं और अच्छे से मिक्स करें। फिर इस पेस्ट को अच्छे से चेहरे और गर्दन पर लगाएं। कुछ देर ऐसे ही रखें और फिर चेहरे को साफ करें। ये स्किन को टाइट करने में मदद करता है। साथ ही स्किन से ज्यादा तेल को सोख लेता है।

आप बेदाग स्किन पाने के लिए कितने ही प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन फिर भी आपके चेहरे पर इन प्रॉडक्ट्स से साइड इफेक्ट्स हो जाते हैं। वहीं, अगर प्रॉडक्ट्स ज्यादा केमिकल्स वाले हैं, तो आपकी स्किन पर एजिंग बहुत जल्दी हो जाती है। ऐसे में आपको नेचुरल तरीकों और होममेड फेस मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। होममेड तरीकों में कस्तूरी हल्दी लगाने के कई फायदे हैं।कस्तूरी हल्दी में अधिक मात्रा में एंटीसेप्टिक, एंटी बैक्टीरियल और एंटी ऑक्सीडेंट गुण के अलावा ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो पिंपल के साथ-साथ स्किन संबंधी कई समस्याओं को हील करने में कारगर है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

MAHA RERA NO.: P99000025618

WALIV'S LUXURIOUS PROJECT
WITH LIFESTYLE AMENITIES

Mariyam Heritage

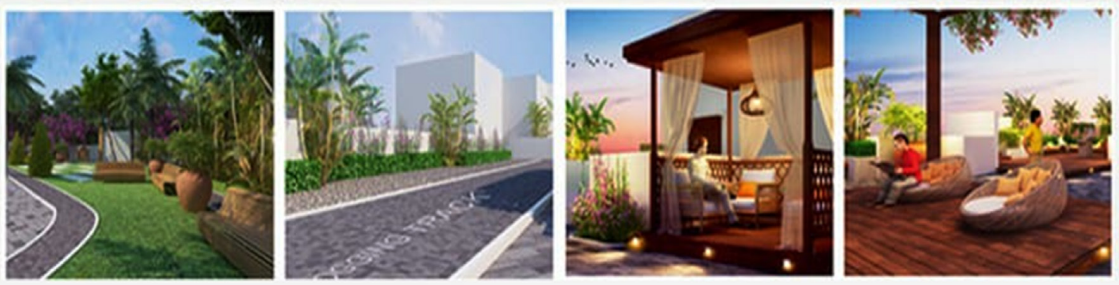

VASAI EAST

Strategic Location & Easy Accessibility

Hospitals :
Valwadevi Multispeciality - 800m
Metropolis Healthcare - 900m

Banks :
Abhyudaya Co-op Bank - 500m
Federal Bank - 600m

Schools :
Ludhani Vidyamandir - 700m
Fr. Angel School - 800m

Rastuarants :
Hotel Shalimar - 300m
Hotel Regency - 900m

Entertainments :
Carnival Cinema - 4.2km
Dream The Mall - 4.2km

Accessibility :
Vasai E Railway Station - 8 km
Highway NH8 - 1.6km

STARTING FROM
31.35 LACS*

THIS SCHEME ALSO AVAILABLE
DOWNPAYMENT 5%
NO EMI TILL POSSESSION*
APPROVED FROM ALL LEADING BANKS

VASAI (E)
FOR MORE DETAILS CONTACT +91 8291669848
SITE ADD : MARIYAM HERITAGE. NEXT TO SANIYA CITY. BEHIND SHALIMAR HOTEL. WALIV. VASAI ROAD (E)